कक्षा-VIII

पाठ 8 देशभक्ति गीत

पाठ 9 शास्त्रीय नृत्य

पाठ 10 भोजन पकाने की विधियाँ

पाठ 11 जीवमित्र की तैयारी

पाठ 12 जनजातीय कला

8

देशभक्ति गीत

राष्ट्र सम्मान की भावना और देश के प्रति आदर भाव ही देशभक्ति है। हम स्वाधीनता दिवस (15 अगस्त) को रेडियो और टेलीविजन पर अनेक गाने सुनते हैं। यह राष्ट्र के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना व्यक्त करने हेतु आसान और सुरीला माध्यम है। 'जन गन मन' भारत का राष्ट्र गान है। हर राष्ट्र का अपना राष्ट्र गान होता है। बहुत से गीत देशभक्ति की भावना का प्रदर्शन करते है। यही गीत एक व्यक्ति को राष्ट्र और मानवता के पथ पर आगे बढाते हैं।

संगीत और कविता को मिलाकर एक गीत की रचना की जाती है। गाना संवेगों और भक्ति को अभिव्यक्त करते हैं। विभिन्न अवसरों पर विभिन्न प्रकार के गीत गाए जाते हैं। जिन गीतों में राष्ट्र भक्ति अधिक होती है, वह देशभक्ति गीत कहलाते हैं। प्रस्तुत पाठ में हम देशभक्ति गीतों का महत्व और कुछ उदाहरणों का अध्ययन करेगें।

उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद आप–

- देशभक्ति गीतों को परिभाषित कर सकेगें;

- देशभक्ति गीतों का महत्व बता सकेगें;
- देशभक्ति गीतों की लिखित अभिव्यक्ति कर सकेगें;
- देशभक्ति गीतों को याद कर सकेगें; और
- देशभक्ति गीतों को गाकर देश प्रेम का भाव अनुभव कर सकेगें।

8.1 देशभक्ति गीत

जैसा कि नाम से स्पष्ट है देशभक्ति गीत वह गीत होते हैं जो देश के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना को व्यक्त करते हैं। देशभक्ति गीतों में राज्यों, नदियों, मंदिरों, मुख्य स्थानों, महत्वपूर्ण लोग, जातियाँ, क्रियाकलाप और प्रेरणादायक शब्दों का जिक्र होता है। यही शब्द एक व्यक्ति को देश के प्रति प्रेरित करते हैं। इन्हें 'आजादी के गीत' अथवा 'देशभक्ति गीत' भी कहा जाता है।

इन गीतों के माध्यम से व्यक्ति और उसके वातावरण में सकारात्मक गुण आते हैं। यह गीत भक्ति गीत भी कहलाते है। यह राष्ट्रीय अवसरों पर गाए जाते हैं। भारत में 26 जनवरी, 15 अगस्त और 2 अक्टूबर राष्ट्रीय अवसर हैं।

8.2 देशभक्ति गीत का महत्व

हम में हर किसी की एक पहचान होती है जो देश के साथ जुडी होती है। देश को मातृभूमि भी कहा जाता है। क्या आपको नहीं लगता कि हमें अपनी पहचान का आदर और सम्मान करना चाहिए? देशभक्ति गीत एक माध्यम है जिसमें ना केवल देश के लिए बल्कि अपने प्रति प्यार और सम्मान को अभिव्यक्त कर सकते हैं। कुछ देशभक्ति गीत देश प्रेम की भावना बताते हैं।

यह गीत लोगों को एक करने में सहायता प्रदान करते हैं। इनसे हम विभिन्न

राष्ट्रीय चुनौतियों का दृढ़ता से सामना कर पाते हैं। वह हमें अपने राष्ट्र के दुश्मनों के खिलाफ लडने में सहायता करते है।

यह गीत देश की महानता, विभिन्नता, मुख्य स्थान व संगठन, प्रकृति, ऋतु, त्यौहार, रीति-रिवाज, संस्कृति, महान व्यक्ति, शहीदों, संतों, शिक्षा, मूल्य प्रणाली, व्यक्तियों का व्यवहार एवं राजनीतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ विज्ञान और तकनीकी विकास आदि को प्रदर्शित करता है।

8.3 देशभक्ति गीत का लेखन

देशभक्ति गीतों की रचना लोगों और राष्ट्र में शांति और सोहार्द लाने के लिए की जाती है। यह आजादी और राष्ट्र के प्रति गर्व का भाव अभिव्यक्त करता है। यह मातृभूमि की भक्ति में गाया जाता है। इनकी पंक्तियाँ अनेक बिंदुओं को ध्यान में रखकर लिखी जाती है। इनसे मुख्य रूप से हमारे बहादुर सैनिकों का बलिदान और आजादी के लिए जंग को प्रदर्शित किया जाता है। अनेक कवि और लेखकों ने देशभक्ति गीतों की रचना की है। कुछ मुख्य कवि हैं-बंकिम चंद्र चैटर्जी, रविंद्र नाथ टैगोर, सरोजिनी नायडू और अन्य कवियों ने देशभक्ति गीतों की रचना की है। 'वंदे मातरम्' बंकिम चंद्र चैटर्जी द्वारा लिखित एक देशभक्ति गीत है। यह भारत में बहुत प्रसिद्ध है। 'हम होगें कामयाब' एक अन्य प्रसिद्ध गीत है जिसकी रचना गिरिजा कुमार माथुर ने की है। यह प्रार्थना सभा में गाया जाता है।

'गीत' शब्द में संगीत और गायक दोनों शामिल होता है। भारत में अनेक प्रसिद्ध गायक है जिन्होंने देशभक्ति गीत गाए हैं। इनमें प्रमुख नाम है-सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर, हेंमत कुमार, ए.आर. रहमान आदि। कुछ देशभक्ति गीत फिल्मों में भी गाए गए हैं। कुछ गीत विद्यालय, सार्वजनिक स्थानों और अन्य मंचों पर गाए जाते हैं।

आपने इनमें से कुछ गीतों के बारे में अवश्य सुना होगा। नीचे दिए गए कुछ उदाहरण फिल्मी गाने हैं किंतु इनसे आप देशभक्ति के संप्रत्यय को समझ कर उससे जुड पाएगें।

- जिस देश में गंगा बहती है।
- ए मेरे वतन के लोगो
- ऐ मेरे प्यारे वतन
- मां तुझे सलाम

क्रियाकलाप 1.1

- राष्ट्र गान के गीत लिखिए।
- किन्हीं दो देशभक्ति गीतों के शब्दों को एकत्रित कीजिए।

8.4 देशभक्ति गीत का अभ्यास

शिक्षार्थी को देशभक्ति गीत गाना आना चाहिए। इसलिए यहाँ पर एक देशभक्ति गीत दिया गया है जिस आप याद करे और अच्छे से गाने का अभ्यास करें। इस गीत की रचनाकारी बंकिम चन्द्र चटर्जी ने की थी।

वन्दे मातरम्।

सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्, शस्यशयामलां मातरम्।

शुभ्रज्योत्स्नांपुलकितयामिनीम फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीम

सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम

सुखदां वरदां मातरम्।।

वन्दे मातरम्।

कोटि-कोटि-कण्ठ-कल-कल-निनाद-कराले कोटि-कोटि-

भुजैधृत-खरकरवाले,

के बोले मा तुमि अबले।

बहुबलधाारिणीं नमामि तारिणीं रिपुदलवारिणीं मातरम्।।

वन्दे मातरम्।

तुमि विद्या, तुमि धार्मि तुमि हृदि, तुमि मर्म त्वं हि प्राणाः शरीरे

बाहुते तुमि मा शक्ति,

हृदये तुमि मा भक्ति, तोमारे प्रतिमा गडि मन्दिरे-मन्दिरे मातरम्।।ङ्क।।

वन्दे मातरम्।

त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधाारिणी

कमला कमलदलविहारिणी

वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्

नमामि कमलां अमलां अतुलाम् सुजलां सुफलां मातरम्।।

वन्दे मातरम्।

श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषितां धारणीं भरणीं मातरम्।।

वन्दे मातरम्।

पाठगत प्रश्न 8.1

1. 'वंदे मातरम्' गीत के गीतकार का नाम बताइए।

2. किन्हीं दो गायकों के नाम बताइए जिन्होंने देशभक्ति गीत गाए हैं।

3. किन्हीं दो प्रसिद्ध देशभक्ति गीत की पहली पंक्तियाँ लिखिए।

आपने क्या सीखा

प्रस्तुत पाठ में आपने देशभक्ति गीत का महत्व और मूल्य की जानकारी प्राप्त की। यह भारत के प्रति हमारे प्रेम, आदर और सम्मान की भावना व्यक्त करने का तरीका है। कुछ प्रसिद्ध कवि, गायक और गानों का भी जिक्र किया गया है। देशभक्ति गीतों में प्रयुक्त शब्द मूल्य और सकारात्मकता की भावना को हमें समाहित करना चाहिए।

पाठांत प्रश्न

1. देशभक्ति गीतों को सीखने और गाने के तीन कारण बताइए?

2. 'हम होगें कामयाब' गीत में किस छिपी हुई भावना को बताया गया है?

उत्तरमाला

8.1

1. बंकिम चंद्र चैटजी।

2. लता मंगेशकर और ए. आर. रहमान

3. 'जिस देश में गंगा बहती है ...'
   'ऐ मेरे वतन के लोगो ...'